

244. विधिवत्प्रतिगृह्यापि त्यजेत्कन्यां विगर्हिताम् 9,72. त्यज वैनां गृ-
हाणा वा ÇĀK. 122. 131. VET. 23,7. तस्मादेनं वयं सर्वे पापात्मानं त्यजाम-
हे MBH. 1, 4197. aussetzen: तं (कुमारं) सात्यजिन्दीतये BHĀG. P. 9, 24,
85. त्यज्यतामियमराये PAÑĀT. 239, 25. — 2) (einen Ort) verlassen, sich
fortbegeben von: नदीकुलं यथा वृत्तो वृत्तं वा शकुनिर्यथा । तथा त्यजन्निमं
देहम् M. 6, 77. MBH. 13, 288. निर्जगाम गृहं त्यक्त्वा गृहं निर्जनं वनम् 5,
7475. हैमवतो दिशम् R. 1, 63, 1. तावदेवाश्रमस्थानमिदं त्यज्यामहे वयम्
3, 1, 28. मासमीदृशं परं स्थानं पूर्वमापतनं त्यजेत् KĀN. 32. वर्त्म भानोस्त्य-
जाम् MEGH. 40. त्यजतो ऽर्कतलं शशिनः VARĀH. BRH. S. 4, 3. न त्यजति म-
मास्तिकम् weichen nicht von meiner Seite HIT. I, 40. न त्यजामि त्वत्स-
मीयम् VET. 32, 9. यो ऽत्यातीतसंयुगं भयात् MBH. 7, 3524. त्यक्तपूजं RĀGA-
TAR. 5, 54. — 3) entlassen, loslassen, entsenden, abschiessen: सलिलं च
न वासवस्त्यजति VARĀH. BRH. S. 17, 22. वारिमुचस्त्यजति नचिराद्भः 27,
c, 15. वाणाम् BHĀT. 6, 122. अत्याक्तामायुधानीकम् 13, 113. — 4) Etwas
fahren lassen, aufgeben, sich einer Sache begeben, verzichten auf, entsagen,
einbüßen, von einem Uebel los werden, sich befreien von: तेन (जगता) त्यक्ते-
त भुञ्जीथाः ĪÇOP. 1. सकृन् कर्म BHĀG. 18, 48. त्यजेत्पृथिवी गन्धमापञ्च रस-
मात्मनः MBH. 1, 4161. विद्यान्ताः काले निद्रामत्यजन् 2, 2028. त्यज्यतो मा-
नुषे भावा मायि भावा विधीयताम् R. 3, 55, 17. विषयान् BHĀT. 2, 13. HIT.
I, 106. भायास्तिस्रः प्रतिज्ञया त्यक्त्वा KATHĀS. 6, 2. 148. 5, 129. सङ्गान् M.
6, 33. 31. त्यक्तभोग, त्यक्तसङ्ग R. 2, 37, 2. कामान् M. 2, 95. BHĀG. 6, 21. 16,
21. श्रेराचयन्सुरा धर्मं धर्मं तत्यजिरे ऽसुराः MBH. 3, 8492. 5, 7316. इदं तु
वृत्तिवैकल्यात्त्यजतो धर्मनैषणाम् M. 10, 85. धैर्यम् BRAHMA-P. in LA. 54, 15.
त्यक्तश्रियम् N. (BOPP) 12, 52. त्यक्त्वा विपुलां श्रियम् N. 9, 6. नुद्रं कृदप्यैर्द-
ल्यम् BHĀG. 2, 3. त्यजस्व कोपम् R. 5, 80, 30. भयं त्यजधम् HARIV. 2273.
12646. उद्योगम् HIT. Pr. 29. अनुकामीनताम् BHĀT. 5, 15. तोभम् 23. खेद-
म् MEGH. 33. कार्श्यम् 30. अश्रुषाम् ÇUK. 41, 15. कुथितं मेरुनम् SUÇR. 2, 115,
13. विरुञ्जो स्वरः । तत्यजे — तथा RĀGA-TAR. 2, 56. — 5) Etwas hinge-
geben, weggeben, fortgeben; im Opfer an die Gottheit Schol. zn KĀTJ.
ÇR. 278, 11. 394, 1 v. u. अत्यक्त्वा ohne förmliche Hingabe (durch einen
Spruch) 207, 1 v. u. त्यजेदाश्रयणे मासि मुन्यन्नं पूर्वसंचितम् । जीर्णानि चैव
वामोसि M. 6, 15. JĀGĪ. 3, 47. कामधेनुम् — फदा न त्यजते R. 1, 54, 1. 4. 10.
रञ्जुस्त्रिद्वेन किं तस्य त्यजतः कुञ्जोत्तमम् 2, 37, 3. DAÇAK. in BENF. Chr.
192, 22. द्विपदस्य पशोरस्य तत्सुवर्णात्पाणं त्यज KATHĀS. 6, 63. 64. अर्थीस्त्य-
जत पात्रेभ्यः MBH. 5, 2348. त्यजेदेकं कुलस्यार्थं ग्रामस्यार्थं कुलं त्यजेत् ।
ग्रामं जनपदस्यार्थं आतमार्थं पृथिवीं त्यजेत् ॥ KĀN. 31. — 6) तनुम्, देहम्,
कलेवरम् seinen Körper verlassen, aufgeben so v. a. sterben: आसौ मरु-
र्षिचर्याणां त्यक्तान्यतमया तनुम् M. 6, 32. 78. BHĀG. 4, 9. R. 3, 51, 40. 4,
61, 16. KATHĀS. 10, 118. VET. 33, 10. BHĀG. P. 2, 8, 3. 3, 4, 29. यद्धरिपित-
त्यज (sic) आकृतिम् 28. भूतावासमिमं त्यजेत् M. 6, 77. — 7) प्राणान्, आ-
सम्, जीवितम् sein Leben aufgeben, hingeben d. i. sterben oder sein Le-
ben daransetzen: सानुगस्त्यह्यसि प्राणान् R. 3, 55, 24. PAÑĀT. 72, 12. VA-
RĀH. BRH. S. 60, 13. KATHĀS. 15, 112. VID. 183. त इमे ऽवस्थिता युद्धे प्रा-
णास्त्यक्त्वा धनानि च BHĀG. 1, 33. DRAUP. 7, 18. PAÑĀT. I, 326. अयुध्यत
त्यक्तप्राणः MBH. 3, 7204. प्राणास्त्यक्त्वा सुडुस्त्यजान् 7203. BHĀG. P. 4, 2,
3. आसं मनुष्येण समं त्यजति (स्त्रियः) VARĀH. BRH. S. 77, 15. माद्यात्यालीः
स्वजीवितम् stehe zu, dass du heute nicht dein Leben einbüssest, MBH.
4, 425. नूनं त्यह्यति जीवितम् R. 2, 66, 8. प्रूरा मर्दर्थं त्यक्तजीविताः BHĀG.

III. Theil.

1, 19. इत्युक्तः करुणं वाक्यं वानैस्त्यक्तजीवितैः R. 4, 58, 1. त्यक्तजीवि-
तयोधिन् N. 2, 16. — 8) fortlassen, bei Seite liegen lassen, unbeachtet
lassen, vernachlässigen: सिंहे जम्बुकमङ्कमागतमपि त्यक्त्वा निरुक्ति द्वि-
पम् HIT. II, 39. कृते चानाहितं त्यजेत् ÇĀNĪB. ÇR. 2, 16, 3. त्यक्त्वापि M. 3,
153. मा त्यातीः समयम् MBH. 1, 3098. त्यक्त्वा mit Nichtbeachtung von so
v. a. mit Ausnahme von: दिक्कपमेतत्यक्त्वा शेषास्तु शुभावहाः कृपाः VA-
RĀH. BRH. S. 33, 100. 5, 78. Sch. zn KĀURAP. 27. — 9) pass. um Etwas
(instr.) kommen, Etwas los werden: नैव नीलीवर्णेन कदाचित्यज्यते PAÑ-
ĀT. 63, 3. — caus. 1) Jmd Etwas verlassen heissen, Jmd Etwas entzie-
hen, Jmd um Etwas bringen; mit dopp. acc.: नार्क्षे मां सकृन्नातं ह्यमं
त्याजयितुं चिरात् MBH. 13, 288. य एष राजा वीर्येणा स्वजातिं त्याजितो
मया 1994. fg. मुक्ताञ्जलं चिरविरचितं त्याजितो देवगत्या MEGH. 94. PRAB.
30, 14. त्याजितो धनदः क्रियाम् HARIV. 2694. धूपोष्णा त्याजितमार्द्रभावं
(von त्याजित abhängig) केशात्सु KUMĀRAS. 7, 14. सो ऽयं त्वया रूपे राम
जीवितं त्याजितः कथम् R. 4, 20, 13. त्याजितश्रीः BHĀG. P. 8, 22, 11. Mit
dem gen. der Person: तस्माद्दस्त्याजितः स्नेहः शत्रुभूतास्त्यजाम्यक्तम् HA-
RIV. 3233. Mit dem instr. der Sache: कौम्भकर्षिणा च क्रुद्धः प्राणैरतित्यज-
त् BHĀT. 13, 120. 2) Jmd das Haus verlassen heissen, Jmd zum Hause
hinauswerfen: शिष्यानादिश्य तं वाकः । त्याजयामास रघुयाम् KATHĀS.
20, 126. — 3) bewirken, dass Etwas nicht beachtet wird: मन्त्रधनित्या-
जितयामतूर्यं (अर्णव) RAGH. 6, 56.

— समभि aufgeben, verzichten auf: अयुद्यक्रियाः MBH. 12, 269. जी-
वितम् sein Leben hingeben, daransetzen, wagen 6, 158. समभित्यक्तजीवित
3, 11705. 6, 1676. HARIV. 5081.

— नि verscheuchen, verdrängen: यदिदे नुद्रं सरोसपं ग्रीष्मेकमेताभ्यां
नित्यक्तं भवति ÇĀT. Br. 1, 5, 3, 11. श्रेषथयो नित्यक्ताः 12.

— निम् hinaustreiben, verjagen: स मां निस्त्यक्तवान् R. 4, 46, 8.

— परि 1) Jmd verlassen, im Stich lassen, seinem Schicksal überlas-
sen, ziehen lassen, verstossen: या पत्या वा परित्यक्ता M. 9, 175. शरणा-
गतं परित्यज्य 11, 198. N. 18, 10. 20, 27. MBH. 1, 6132. 6135. fg. 6163.
6165. 6183. 3, 52. 5, 5998. 14, 140. HARIV. 4589. R. 1, 54, 3. 8. ÇĀK. 85, 15.
MĀLAV. 18. PAÑĀT. 8, 25. 51, 24. VID. 174. MĀRK. P. 17, 21. PRAB. 103, 18.
ÇUK. 41, 17. med. HĪD. 2, 32. HARIV. 5427. — 2) (einen Ort) verlassen HIT.
25, 19. I, 94. दिवं देवाः परित्यज्य BHĀG. P. 7, 2, 16. नावम् MBH. 1, 5876.
— 3) Etwas fahren lassen, aufgeben, sich einer Sache begeben, verzich-
ten auf, entsagen: यो ध्रुवाणां परित्यज्य अधुवाणां निषेवते HIT. I, 205.
उद्यानानि परित्यज्य तेत्राणां च गृह्णाणां च R. 2, 33, 17. नेम्यां सस्यप्रदाम्
u. s. w. परित्यजेन्नृपो भूमिमात्मार्यम् M. 7, 212. एकमङ्गं परित्यज्य R. 2, 96,
52. HIT. 43, 16. सौम्यं परित्यज्य भित्तुत्रपम् (निशाचरः) R. 3, 35, 3. स्वभाव-
म् SUÇR. 1, 149, 13. अश्रूणि परित्यज्य ÇĀK. 49, 20, v. l. für प्रमूष्य. परित्य-
जेयं त्रैलोक्यं राख्यं देवेषु वा पुनः । यद्वाप्यधिकमेताभ्यां न तु सत्यं कथं च
न ॥ MBH. 1, 4160. विषयान् परित्यजति BHĀT. 3, 16. 14. सर्वान्परित्य-
जेदर्थान्स्वाध्यायस्य विरोधिनः M. 4, 17. अर्थकौमौ 176. R. 2, 53, 13. BHĀT.
2, 66. नियमान् SUND. 2, 16. BHĀG. 18, 66. PAÑĀT. 60, 4. HIT. I, 178. KA-
THĀS. 5, 136. VET. 27, 16. प्रारब्धमुत्तमजाना न परित्यजति BHĀT. 2, 78.
परित्यक्तं सर्वं कृतितपहितं श्रेष्ठैः AMAR. 6. लज्जाम् KATHĀS. 21, 119. RĀGA-
TAR. 5, 133. med.: न च धैर्यं परित्यजे R. 4, 6, 7. परित्यजिष्ये गार्हस्थ्यम्
MĀRK. P. 43, 68. — 4) देहम् seinen Körper aufgeben so v. a. sterben

26*